Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 26-07-2006

Participants : Kumar Shri Shailendra

>

Title : Stopping Government grant to education sector as proposed by WTO & GATT at Hong Kong.

श्री शैलेन्द्र कुमार (चायल) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं शून्यकाल में आपका ध्यान विश्व व्यापार संगठन हांगकांग में जो हुआ, उसकी तरफ दिलाना चाहता हूं। गैट्स प्रस्ताव में शिक्षा को सरकारी अनुदान पूर्णतः बंद करने से संबंधित प्रस्ताव पास हुआ। गैट्स ने जो प्रस्ताव किया, उसमें उच्च शिक्षा में सरकारी अनुदान को पूर्णतः बंद करने के लिए कहा गया है जिससे तमाम देशों और खास तौर पर हिन्दुस्तान में बड़ी प्रतिक्रिया हुई। इससे शिक्षा तंत्र को पूरी तरह से बरबाद करने की साजिश है। इससे शिक्षा का तंत्र बिल्कुल बरबाद हो जाएगा। सरकार को अधिक मुनाफा होने की उम्मीद है। प्रस्ताव में उल्लेख किया गया है कि सरकार उच्च शिक्षा से हाथ खींच ले। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि देश में या पूरे विश्व में चाहे वे डॉक्टर हों, इंजीनियर हों, वैज्ञानिक हों या अधिकारी हों, उच्च स्थानों पर पहुंच कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। खास तौर पर अमेरिका ने हिन्दुस्तान की शिक्षा की तारीफ की है। उसने कहा है कि हिन्दुस्तान में सर्वोच्च शिक्षा दी जाती है। अगर विश्व व्यापार संगठन, गैट्स में इस तरह के प्रस्ताव पास होंगे कि शिक्षा में सरकारी अनुदान को पूर्णतः बंद कर दिया जाए जिससे सरकार की आमदनी भी बढ़ेगी, मेरे ख्याल से बहुत बड़ा अन्याय होगा और खास तौर पर हिन्दुस्तान के साथ होगा। मैं इसमें बताना चाहूंगा कि बड़े घर के लोग और पैसे वाले लोग उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेंगे लेकिन बेचारे गरीब लोग उच्च शिक्षा से वंचित हो जाएंगे। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि जो पड़ोसी मुल्क हमारे पक्ष में हैं, वह उनको साथ लेकर चलें तथा इस प्रस्ताव का पुरजोर विरोध करे। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता cÚÆ[R51]।